

23-06-2020

गन्ने के रस को सॉफ्ट ड्रिंक की जगह उपयोग में लाये: प्रो. नरेंद्र मोहन



कानपुर, (नगर छाया समाचार)। ऐ सी टी और एस आर एम ग्रुप ऑफ मैनेजमेंट के संपुर्ण तत्वावधान में आयोजक डॉ अलका तांगड़ी की सात दिवसीय कार्यशाला के तीसरे दिन के व्याख्यान में एन एस आई कानपुर के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने कोविड 19 की वजह से आगे दो सालों में अर्थिक रूप से समस्याओं से कैसे निपटा जायेगा पर विचार प्रस्तुत किये। आपने कहाँ रेवोल्यूशन लाना ही होगा और कैसे इको फेंडली बनाया जा सकता है, महत्वपूर्ण

जानकारी दी। आपने जानकारी दी गन्ने के रस को सॉफ्ट ड्रिंक की जगह उपयोग में लाना चाहिए यह प्राकृतिक स्वास्थ्यवर्धक पेय है प्रतिरोधक क्षमता और ऊर्जा को बढ़ाने में कारगर है। गुड़ खाकर एक ग्लास गर्म पानी पीना औषधीय गुण को बढ़ाता है। इसमें फॉस्फोरस प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। जो कफ को दूर करता है। गुड़ को कभी भी दुध के साथ उबालना हानिप्रद है। इसमें एस आर एम के चैयरमैन पवन सिंह चौहान, डॉ श्रद्धा सिन्हा, डॉ डी के अवस्थी, डॉ मनीष, डॉ अर्चना दीक्षित, डॉ मीत और विभिन्न प्रांतों से 400 लोगों ने प्रतिभाग किया।

SK **Shri Krishna**
ROADWAYS

गन्ने के रस से बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता

कानपुर। गन्ने के रस को सॉफ्ट ड्रिंक की जगह उपयोग में लाना चाहिए। स्वास्थ्यवर्धक होने के साथ गन्ने का रस प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में कारगर है। ये बातें राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बीएनडी कॉलेज में चल रहे ऑनलाइन एफडीपी प्रोग्राम में कहीं। बताया कि गुड़ खाकर एक गिलास गुनगुना पानी पीना भी लाभदायक है। इस मौके पर पवन सिंह चौहान, डॉ. श्रद्धा सिन्हा, डॉ. अलका तांगड़ी, डॉ. डीके अवस्थी, डॉ. मनीष, डॉ. अर्चना दीक्षित, डॉ. मीत आदि मौजूद रहें।



नरेंद्र मोहन।

गन्ने के रस को साफ्ट ड्रिंक की जगह उपयोग में लाये : प्रोफेसर नरेंद्र मोहन

कानपुर। ये सी टी और एस आर एम ग्रुप ऑफ मैनेजमेंट के सल्लाहकारों ने आर्थिक डॉ अलका लॉगडॉ की साथ विपरीत कार्यवाही के तीसरे दिन के साक्षात्कार में एस एस आई कानपुर के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने कोविड 19 की गहराई से जाने दो बातों में आर्थिक रूप से समस्याओं से निपटने के लिए जलवायु विचार प्रस्तुत किया। आपने कहाँ देवीप्रशुभ बना है। सीटी और सीटी ड्रिंक से ड्रिंक बनाया जा सकता है। मध्यमपूर्व जानकारी दी। आपने जानकारी दी गन्ने के रस की साफ्ट ड्रिंक की जगह उपयोग में लाया जाये यह प्रकृतिक स्वास्थ्यप्रद है। प्रिचिरीक एक दमदार और ऊर्जा को बढ़ाने में कारगर है। गुड़ साकर एक रसाल गर्म पानी पीना आर्थिक रूप से



बढ़ता है। इसमें कैल्शियम प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। जो कफ को दूर करता है। गुड़ को कभी भी दूध से साफ जलना चाहिए है। इसमें एस आर एम के विपरीत भवन सिंह मोहन, डॉ. प्रदीप सिन्हा, डॉ. सी. के. अवस्थी, डॉ. मनीष, डॉ. अर्चना चौधरी, डॉ. नील और विभिन्न डॉ. से 400 लोगों ने प्रतिभाग किया।

गन्ने के रस को साफ्ट ड्रिंक बनाएं

कानपुर। एसीटी-एसआरएम ग्रुप ऑफ मैनेजमेंट के वेबिनार में एनएसआई निदेशक ने कहा कि कोविड-19 के बाद हमें आर्थिक संकट से उबरने के लिए बड़े स्तर पर प्रयास करने होंगे। इसके लिए एक रूपरेखा तैयार करें। इसकी शुरुआत भी हो सकती है। हम उम्मीद कर सकते हैं कि इससे क्रांति आएगी। उन्होंने कहा कि जो हालात हैं उसमें हमें ईको फ्रेंडली माहौल बनाने की जरूरत है। निदेशक ने कहा कि गन्ने का रस सेहत के लिए काफी फायदेमंद है। इससे ऊर्जा तो मिलती है, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। गुड़ खाकर एक गिलास गर्म पानी पीने से इसके औषधीय गुण बढ़ जाते हैं। इसमें फॉस्फोरस की मात्रा अधिक होती है। इससे कफ दूर हो जाता है।